A3

A4

A5

b

दृष्टि The Vision

S.K-4

सामान्य अध्ययन (टेस्ट - IV)

GENERAL STUDIES (Test - IV)

मॉड्यूल - IV / Module - IV

DTVF/17-M-**GS4**

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

नाम (Name): अनिरुद्ध कुमार

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): Test IV, 27/08/16

रोल न. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

0	0	9	8	5	1	4

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिंदी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Anirudh

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

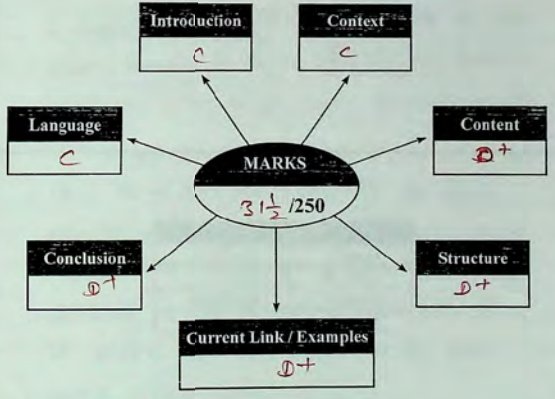

दृष्टि The Vision

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

व्यापक विश्लेषण / Macro Analysis

- ↓ कृपया उद्धरण (Quotes) का प्रयोग न करें।
- 2. तर्क के रूप में कानून, नियम, विनियम संविधान और एथिक्स शब्दावली का प्रयोग करें।
- 3. प्रश्न को ध्यान से पढ़ें और उसी के अनुरूप सभी पहलुओं का संतुलित उत्तर दें।

Grade Card	
Grade 'A'	Very Good
Grade 'B'	Good
Grade 'C'	Satisfactory
Grade 'D'	Poor

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - A / SECTION - A

1. मूल्य, धर्म और आचार-नीति मानवीय व्यवहार को नियंत्रित करने वाले महत्त्वपूर्ण कारक हैं। (150 शब्द) 10

Value, Religion and Ethics are the important factors to control human behavior. (150 Words) 10

(a) चर्चा कीजिये कि ये कैसे मानवीय व्यवहार को नियंत्रित करते हैं?

Discuss, how these traits control human behavior?

मानवीय व्यवहार पर नियंत्रण के लिये समाज में अनेक संस्थायें व नियम होते हैं जिनमें समाज द्वारा निर्धारित मूल्य, आचारनीति व धर्म सबसे महत्वपूर्ण होते हैं।

मूल्य से तात्पर्य उन गुणों से है जिन्हें समाज अधिक महत्व देता है जैसे जहाँ पश्चिमी समाज में व्यक्तिवादी मूल्यों का प्रचलन है वहीं भारतीय समाज में समूहिकतावादी मूल्यों पर जोर होता है। इसी के अनुरूप इन समाज के सदस्यों के व्यवहारों में भी अन्तर पाया जाता है। समाज में निर्धारित मूल्यों के अनुरूप आचरण न करने पर समाज कई बार औपचारिक तो कई बार अनौपचारिक रूप से व्यवस्था करता है तथा इस पर मानवीय व्यवहार को नियंत्रित करता है।

इसी तरह समाज की संस्थाओं के द्वारा आचार-नीति (ethics) का भी विकास किया जाता है जैसे एक शिक्षण संस्था में घंटी का समय पर विद्यालय आना, गुरुजनों का आदर करना, अध्ययन में मन लगाना आदि निर्धारित आचार नीति है। इसी तरह एक प्रशासनिक संगठन में भी सदस्यों के लिये आचारनीति का विकास कर उसका अनुपालन सुनिश्चित कराया जाता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

इनके अतिरिक्त चूँकि धर्म का समाज पर गहरा प्रभाव होता है अतः धर्म भी व्यक्तियों के व्यवहार को नियमित व निर्देशित करता है। धर्म मनुष्यों को अच्छे-बुरे, वांछित - अवांछित का ज्ञान कराता है एवं उन्हें पाप-पुण्य के डर के द्वारा पापपूर्ण गतिविधियों से दूर करता है। स्वामी विवेकानन्द के शब्दों में – "धर्म व्यक्ति में उस पुलिस की तरह होता है जो व्यक्ति पर हमेशा नजर रखता है तथा जिसके कारण व्यक्ति अपने पाशविक विचारों पर नियंत्रण रख पाता है।"

इसी तरह महात्मा गांधी भी धर्म को नैतिकता निर्धारण का प्रमुख स्रोत मानते थे। वे राजनीति को भी धर्म से पृथक करना पाप मानते थे। वे कहते थे – "जो लोग राजनीति व धर्म का अलगाव चाहते हैं वे धर्म के वास्तविक अर्थ को नहीं समझ पाते। धर्म ही व्यक्ति के व्यवहारों को नियमित कर उसे एक सामाजिक प्राणी बनाता है।"

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks							
Grade							

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(b) उदाहरण देते हुए बताएँ कि ये एक-दूसरे से कैसे भिन्न और समान है?
With Illustration, show that how these traits are different and similar to each other?

मूल्य, धर्म और आचारनीति तीनों का विकास समाज के द्वारा मानवीय व्यवहार पर नियंत्रण के लिए किया जाता है। इस प्रकार तीनों ही व्यक्ति के द्वारा निर्धारित होकर समाज के द्वारा निर्धारित किये जाते है। इसी तरह मूल्य, धर्म और आचारनीति सभी एक दूसरे के पूरक है क्योंकि धर्म जहाँ समाज के मूल्यों का विकास करता है उसी तरह मूल्य भी समाज के संस्थाओं के आचारनीति निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

उदाहरण के लिए एक समाज जिसका मूल्य पितृसत्ता है (Patriarchy)

वहाँ धर्म पर भी इसका प्रभाव दिखेगा तथा धर्म में महिलाओं के लिए बहुत से निर्योग्यताओं का निर्धारण होगा और पुरुषों को बहुत से विशेषाधिकार मिलेंगे। इसी तरह वहाँ की प्रशासनिक संरचना की आचारनीति भी पुरुषों के पक्ष में झुकी होगी तथा वहाँ महिलाओं के कई अधिकारों को समावेशित नहीं किया जाएगा।

इस प्रकार मूल्य, धर्म व आचारनीति तीनों एक दूसरे को प्रभावित करते है। परंतु इन तीनों में काफी अन्तर भी है। धर्म जहाँ अपने परंपरागत स्वरूप को बनाये रखना चाहता है वहीं मूल्य में परंपरागत व आधुनिक दोनों पक्ष हो सकते है जबकि आचार संहिता में आधुनिक तत्वों का सुरक्षित समावेश होता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

उदाहरण के लिए अगर हम मुस्लिम समाज में विवाह विच्छेद की एक पद्धति 'तीन बार तलाक' (Triple talaq) की बात करें तो धर्म इसी तरह इसके पक्ष में झुका है वहीं समाज में कुछ आधुनिक मूल्यों जैसे लिंग समानता, गैर-भेदभाव आदि का समावेश हो जाने के कारण कुछ लोग इस पद्धति के पक्ष में है तो कुछ विपक्ष में वहीं आधुनिक संस्था न्यायपालिका द्वारा हाल ही में निर्धारित आचार संहिता में इसे अवैध घोषित किया गया है।

इस प्रकार मानवीय व्यवहार पर नियंत्रण करने वाले इन तीनों पक्षों में कुछ समानता है तो कुछ भिन्नताएँ भी।

(3)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1½	1½				
Grade		B	B				

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

2. (a) वर्तमान में राजनैतिक और प्रशासनिक स्तर पर नैतिकता में गिरावट दर्ज की जा रही है, जो सामाजिक और आर्थिक न्याय की प्राप्ति में बाधक कारक बन गया है। इस नैतिकता में गिरावट के कारणों को बताएँ तथा राजनैतिक और प्रशासनिक जीवन में नैतिकता की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए इसमें सुधार हेतु सुझाव दें। (150 शब्द) 10

It has been witnessed that, there is a decline in morality at political and administrative level, which poses hinderance in achieving social & economic justice. Give forth the reasons for decline in morality, and put forward your suggestions to improve it while highlighting the importance of morality in political and administrative life. (150 words) 10

वर्तमान लोकतांत्रिक समाज की राजनीतिक व प्रशासनिक संस्थाओं की नैतिकता के स्तर में तेजी से गिरावट हुई है। इसके कई कारण है –

(1) उपभोक्तावादी संस्कृति का व्यापक प्रसार – जिसने मनुष्य की जरूरतों को तेजी से बढ़ाया है। इसने समाज में स्वार्थ, भोग-विलास के स्तर को कई गुना बढ़ा दिया है। भगवत गीता में भी कहा गया है – 'जो अपने मन को नियंत्रित नहीं कर पाते वह उनके लिए शत्रु के समान कार्य करता है।'

(2) राजनीति का अपराधीकरण – पिछले कुछ समय में राजनीति में आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की संख्या बढ़ी है और कहा जाता है कि – "राजनीति वह गंगोत्री है जहाँ से हर स्तर के भ्रष्टाचार का उद्गम होता है।" अतः इसी राजनीतिक भ्रष्टाचार का दुष्प्रभाव प्रशासन पर भी दिखता है।

(3) भ्रष्टाचार को सामाजिक सहमति मिलना → इस वजह से मानसिकता बन गयी है कि भ्रष्टाचार को खत्म करना नामुमकिन है अतः अगर अपना काम कराना है तो घूस देना ही होगा। इसी तरह प्रशासनिक अधिकारियों में यह भाव कि इतनी कम सरकारी सैलरी में परिवार का गुजारा कर पाना असंभव है अतः थोड़ा मोटा रिश्वत लेने में कोई हर्ज नहीं है। यह

शब्द सीमा का ध्यान रखें।

→ ये सब Essay में use करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या को अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

मानसिकता भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है

प्रशासन राजनीति के अपराधीकरण पर बनी नरेन्द्र नाथ वोहरा कमिटी ने माना था- "देश में भ्रष्टाचार (प्रशासन), अपराध (आपराधिक संगठन) व सत्ता (राजनीतिक संगठन) का ध्रुवीकरण हो रहा है अतः इन गठजोड़ को तोड़ने के लिए सार्थक प्रयासों की आवश्यकता है।

भ्रष्टाचार की समस्या को समाप्त करने के लिए जीवन में नैतिकता का विकास जरूरी है अतः इसके लिए प्रयास परिवार के स्तर से करने होंगे, इसके बाद शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से बच्चों में नैतिकता बढ़ानी होगी। हमारे पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय ए.पी.जे. अब्दुल कलाम मानते थे- "भ्रष्टाचार को केवल तीन ही सशक्त समाप्त कर सकते हैं- माता, पिता और गुरु।"

इसी तरह हमें प्रशासनिक संरचना को ज्यादा पारदर्शी बनाना होगा (e-gov. का प्रयोग), जवाबदेयता तय करनी होगी। साथ ही राजनीतिक भ्रष्टाचार के लिए चुनाव सुधारों की प्रक्रिया को तेज करना होगा।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks		1	½				
Grade		C	D				

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या को अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(b) निम्नलिखित पर चर्चा करें: (150 शब्द) 10
Discuss the following: (150 words) 10

(i) व्यापारिक नैतिकता
Business Ethics

व्यापारिक नैतिकता नीतिशास्त्र की वह शाखा है जिसमें व्यापारिक क्रियाओं में नैतिकता, आचार सिद्धांतों का पालन, उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा आदि पर बल दिया जाता है।

वर्तमान वैश्वीकरण के युग में 1990 के दशक के बाद से व्यापारिक नैतिकता में गिरावट आयी है। हर्षद मेहता का शेयर मार्केट घोटाला, केतन पारिख घोटाला, सत्यम घोटाला आदि इसी दिशा की ओर इंगित करते हैं।

आज कई व्यापारिक संगठन करों (Tax) को चुकाकर मनी लॉन्ड्रिंग का सहारा ले रहे हैं। हाल ही में भ्रष्टीम कोई व सेबी द्वारा सहारा समूह पर नकेल कसना इसी दिशा में है। सहारा समूह की कंपनियों द्वारा बिना सेबी की अनुमति के निवेशकों से पैसे एकत्र किये गये। इन सब निवेशकों को लौटाने की बारी आयी तो पता चला कि निवेशक ढूंढने पर भी नहीं मिल रहे। यह व्यापारिक नैतिकता की दुर्दशा की स्थिति है।

इसी संदर्भ में एक उदाहरण प्रमुख स्टील कंपनी वोलमार्ट का भी ले सकते हैं जो बाजार में प्रतिस्पर्द्धा समाप्त करने के लिए कई गैर प्रतिस्पर्द्धी तरीके अपनाती है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

इसके अलावा वॉलमार्ट के भारत में निवेश करने के संबंध में लॉबिंग (Lobbying) का भी आरोप है जबकि लॉबिंग की भारत में अनुमति नहीं है।

इसी प्रकार आज यह सामान्य हो गया है कि व्यापारिक समूह नीति निर्माताओं से संपर्क स्थापित करके नीतियों को अपने पक्ष में कराने का प्रयास करते हैं जिसे 'Crony Capitalism' की संज्ञा दी गयी है।

इस तरह व्यापारिक जगत द्वारा अधिक लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से गैर बाजारी के अधिकतर तरीकों का प्रयोग किया जा रहा है जो व्यापारिक जगत में गिरती नैतिकता के स्तर को दिखाता है। सरकार व रेगुलेटरी संस्थाओं जैसे SEBI, ERDA, RBI, CCI आदि को इस दिशा में बेहतर नियंत्रण करना होगा ताकि अवैध व्यापारिक गतिविधियों पर रोक लग सके।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks							
Grade							

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(ii) मीडिया नैतिकता
Media Ethics

मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ माना जाता है। मीडिया ने समाज में जागरूकता बढ़ाकर लोगों को एक 'Informed citizen' बनाया है। मीडिया ने सरकार व प्रशासन की जवाबदेयता तय करने में भी भूमिका निभाई है। इसी प्रकार मीडिया ने समाज के कई ऐसे पक्षों को उजागर किया है जो राजनीतिक नीति निर्माताओं द्वारा अनदेखे किये जाते रहे हैं जैसे बंधुआ मजदूरी, जातिसंघर्ष आदि। इसी तरह मीडिया में 'जेसिका लाल हत्याकांड' जैसे मामले भी देखने को मिलते हैं जहाँ एक शक्तिशाली समूह द्वारा अपराध को पुरी तरह दबाने के प्रयास को मीडिया द्वारा विफल किया गया था।

परंतु मीडिया में आज नैतिकता का ह्रास देखा जा रहा है। मीडिया का व्यवसायीकरण होने से बढ़ी होड़ ने मीडिया 'TRP कल्चर', 'मसाला खबर कल्चर', 'ब्रेकिंग न्यूज कल्चर' को जन्म दिया है। आज मीडिया मुद्दों को सनसनीखेज बनाकर पेश करता है। इसी तरह मीडिया में व्यापारिक समूहों, राजनीतिज्ञों का प्रभाव होने से बढ़ते निजी मीडिया की स्वतंत्रता खत्म हो रही है तथा मीडिया जिसे Neutral empire की संज्ञा दी जाती है आज वह मुद्दों का एकपक्षीय विश्लेषण प्रस्तुत कर समाज को दिग्भ्रमित कर रहा है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

इसी तरह मीडिया में पेड न्यूज़ की प्रचलन भी बढ़ी है। मीडिया पर कई बार 'मीडिया ट्रायल' के भी आरोप लगते रहते हैं।

कहा जाता है - जिसका मीडिया पर नियंत्रण होता है वह लोगों के दिमाग को नियंत्रित करता है। मीडिया का स्वतंत्र होना अत्यंत आवश्यक है। मॉलकम एक्स के शब्दों में - "मीडिया पृथ्वी की सबसे शक्तिशाली संस्था है जिसमें किसी निर्दोष को दोषी व दोषी को निर्दोष बना देने की शक्ति होती है क्योंकि वह लोगों के दिमाग को नियंत्रित करती है।"

आज जरूरत है कि मीडिया अपनी परंपरागत भूमिका को समझे। एक स्वतंत्र व निष्पक्ष मीडिया ही समाज को जागरूक करते हुए मीडिया में Investigative Journalism को जिंदा रखते हुए सूचनाओं को प्रसारित करने की तभी मीडिया सच्चे अर्थों में लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ बन पाएगा।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1	1		—	—	
Grade		C	C				

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

3. (a) नैतिक शासन और नैतिक प्रबंधन को परिभाषित करते हुए इनके महत्त्व को रेखांकित करें। (150 शब्द) 10

Define ethical governance and ethical management and highlight their importance. (150 words) 10

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks							
Grade							

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भारत की कार्यपालिका में अधिकारी वर्ग एक महत्त्वपूर्ण स्तंभ है, जो संवैधानिक उद्देश्यों की प्राप्ति में महत्त्वपूर्ण सहयोगी है। हालाँकि इसके लिये सिविल सेवक में लोकतांत्रिक अभिवृत्ति का होना आवश्यक है। चर्चा करें। (150 शब्द) 10

In Indian Executive, Bureaucracy is an important pillar, which is an important associate in achieving constitutional goals. However a civil servant requires democratic aptitude for this. Discuss. (150 words) 10

भारत में दो तरह की कार्यपालिका है – एक अस्थायी कार्यपालिका जो चुनाव जीतकर पाँच साल के लिए आती है व इसी स्थायी कार्यपालिका अर्थात् ब्यूरोक्रेसी जो जीवन पर्यन्त अस्तित्व बनाये रखती है इसी स्थायी कार्यपालिका के कार्यप्रवृत्ति पर ही मुख्य कार्यपालिका द्वारा बनाये गये नीतियों की सफलता निर्भर करती है साथ ही यह ब्यूरोक्रेसी नीतियों के निर्माण में भी कार्यपालिका को सहयोग देती है।

स्थायी
परन्तु कार्यपालिका (ब्यूरोक्रेसी) में लोकतांत्रिक अभिवृत्ति (democratic attitude) का अभाव दिखता है यहाँ कदम पर सोपान (hierarchy), नियम पर अत्यधिक जोर, जनता से दूरी, Top down Planning आदि का प्रचलन दिखता है लाल बहादुर शास्त्री ने कहा था- 'भारतीय समाज में समरणालय (directorate) तथा सचिवालय (Secretariat) सत्ता के केन्द्र होते हैं न कि सेवा के केन्द्र।"

जनता से बढ़ती दूरी का कारण ब्यूरोक्रेसी में 'बाप-बाप वाली मनोवृत्ति' का प्रचलित होना है ये अपने को जनता का सेवक न मानकर जनता का स्वामी मानते हैं अतः योजनाओं में जन भागीदारी नहीं सुनिश्चित हो पाती।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

आज थ्यूसेडेमी जिसे ('हीलफ्रेम') माना जाता था वह खंडित हो गया है, उसे ('Iron cage') की संज्ञा दी जाने लगी है। हमारे राष्ट्रनिर्माता सरदार वल्लभ भाई पटेल ने रजवाड़ों को बनाये रखने उसे कहा था- "ये रजवाड़े अपने बजट में सोने के मूल्य के बराबर है तथा इन्हें हटाकर मुझे देश में अराजकता के सिवाय कुछ नहीं दिखता।" परन्तु आज ही थ्यूसेडेमी इस विजन को धुमिल करती दिखती है।

इतिह इतिहासकि सुधार आयोग ने थ्यूसेडेमी में चार तत्वों के समावेशन की बात करी थी- 4F- Fast (तेज), Focussed (समर्पित), Flexible (लोचशील, नियमों प्रक्रियाओं पर अनावश्यक बल न देने वाली) व Friendly (मित्रवत)

सामाजिक व आर्थिक न्याय के सांविधानिक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए थ्यूसेडेमी में लोकतांत्रिक अभिवृत्ति का विकास अत्यंत आवश्यक है।

प्रश्न को ध्यान से पढ़ें। ↓ लोकतांत्रिक अभिवृत्ति क्यों आवश्यक है?

सुझाव दें कैसे बढ़ाया जा सकता है

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1/2	1/2		—		
Grade		D	D				

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) सत्यनिष्ठा और ईमानदारी से क्या तात्पर्य है? एक प्रशासक के लिये इनका क्या महत्व है? चर्चा करें। (150 शब्द) 10

What do you mean by integrity and honesty? What are the significance of these for an administrator? Discuss. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सामान्य अर्थों में सत्यनिष्ठा व ईमानदारी को पर्यायवाची मान लिया जाता है परन्तु दोनों में पर्याप्त अन्तर है सत्यनिष्ठा एक ऐसा मूल्य है जिसमें व्यक्ति वाह्य दबाव या वाह्य प्रलोभन से प्रभावित न होते हुये अपने या संगठन के लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करता है सत्यनिष्ठा में व्यक्ति कैसे सोचने, बोलने व कार्य करने में एकरूपता दिखाते है। वही ईमानदारी का अर्थ सत्य बोलने (Truthfulness) से लिया जाता है।

थॉमस जेफरसन के शब्दों में - "अपने आप से सत्य करना सत्यनिष्ठा है वहीं दूसरों को सत्य बताना ईमानदारी है।"

सत्यनिष्ठा में मुख्य जोर 'Action' पर होता है वही ईमानदारी में 'words' पर जोर होता है।

एक प्रशासक के लिये सत्यनिष्ठ व ईमानदार होना अत्यंत जरूरी है एक सत्यनिष्ठ प्रशासक किसी वाह्य प्रलोभन से प्रभावित नहीं होगा। अतः कोई भी ऐसा काम नहीं करेगा जो निजी हित को संवर्धित करे न कि सार्वजनिक हित को। एक सत्यनिष्ठ प्रशासक बिना किसी वाह्य दबाव के काम करेगा। भले ही उसके सीनियर अधिकारी या राजनेता किसी गलत काम के लिए

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

दबाव क्यों न दे वह अपने समर्थन की चुनेगा व निर्धारित नियमों व प्रक्रियाओं का ही पालन करेगा।"

एक सत्यनिष्ठ व ईमानदार प्रशासक साहसपूर्ण ढंग से अपने कर्तव्यों को अंजाम देगा। कहा जाता है — "एक सत्यनिष्ठ व्यक्ति न तो अंधकार से डरता है न ही प्रकाश से।" वह अपने निर्णयों में खुला (Openness) व पारदर्शी होगा। इससे जनता का उस पर विश्वास बढ़ेगा तथा योजनाओं में जन भागीदारी बढ़ेगी।

2

एक सत्यनिष्ठ प्रशासक समाज के कमजोर वर्गों के प्रति सहानुभूति व दया (Compassion) से युक्त होगा इस प्रकार वह सामाजिक- आर्थिक न्याय को सुनिश्चित कर पाएगा।

डॉ० एपी० जे० अब्दुल कलाम के शब्दों में — "हमारे चारों ओर परिस्थितियाँ चाहे कैसी हो विपत्ति क्यों न हो अपनी सत्यनिष्ठा को बनाये रखना हर स्थिति में संभव होता है।" ऐसी प्रवृत्ति हर एक प्रशासक को करना चाहिए।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1	1				
Grade		C	C				

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(b) निम्नलिखित को परिभाषित करते हुए प्रशासन में इनके महत्त्व को बताएँ। (150 शब्द) 10
Define the following and discuss their significance in administration. (150 words) 10

(i) पारदर्शिता (Transparency)

पारदर्शिता का अर्थ है प्रशासन की कार्यप्रणाली में खुलापन होना। एक पारदर्शी प्रशासक अपने निर्णयों की जनता के लिए उपलब्ध करायेगा साथ ही जनता के मांगे जाने पर आवश्यक सूचना को भी प्रदान करेगा (सूचना का अधिकार)" द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग के शब्दों में "लोकतंत्र की सफलता के लिए लोकसेवा का पारदर्शी, खुला व उत्तरदायी होना एक आवश्यक शर्त है।"

1/2

(ii) जवाबदेही (Accountability) : एक प्रशासक को अपने निर्णयों के प्रति जवाबदेह होना चाहिए उसके कार्यों के प्रति उसे जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। किसी लोकतांत्रिक के प्रशासन में भ्रष्टाचार पनपता है लॉर्ड एक्टन के शब्दों में — "सत्ता भ्रष्ट करती है और पूर्ण सत्ता तो पूरे तौर पे भ्रष्ट करती है।" अतः सत्ता पर नियंत्रण अत्यंत आवश्यक है खासकर एक सिविल सेवक पर जिसके पास अत्यधिक प्राधिकार होते हैं। सरकारी खजाने का एक बड़ा भाग इन्हीं सिविल सेवक द्वारा खर्च किया जाता है अतः इनकी जवाबदेहता स्थापित करना अत्यंत आवश्यक है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(iii) निष्पक्षता (Impartiality)

एक सिविल सेवक को निष्पक्षता का आचरण करते हुये अपने को किसी विचारधारा, राजनीतिक दल आदि के प्रति झुकाव नहीं रखना चाहिए। सत्ता में चाहे कोई भी राजनीतिक दल आये, उसे सभी सरकारों को बिना किसी भेदभाव के उचित सलाह देनी चाहिए। ऐसा करके ही बेहतर योजनाओं का निर्माण हो सकता है व योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन हो सकता है। 2nd ARC ने इस पर बल देते हुये कहा है- "एक सिविल सेवक को ऐसा कोई भी आचरण नहीं करना चाहिए जिससे उसकी निष्पक्षता सवालों के घेरे में आये।"

(iv) गैर-पक्षपात (Non-Partisanship) गैर पक्षपात का अर्थ है कि एक सिविल सेवक को बिना जाति, धर्म, लिंग आदि पहलुओं पर ध्यान देते हुये समाज के सभी वर्गों को समान रूप से सेवायें उपलब्ध करानी चाहिए। एक सिविल सेवक के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत जैसे देश में जहां जाति, धर्म आदि का समाज पर व्यापक दुष्प्रभाव है, कई बार ये मतभेद अभिव्यक्ति में भी घर कर जाती है जो लोकतंत्र के लिए घातक है।

यह राजनीतिक तटस्थता से संबंधित है।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1/2					
Grade		D					

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

5. हाल के वर्षों में न्यायपालिका की नैतिकता में गिरावट देखने को मिली है। इसमें कौन-कौन से नैतिक मुद्दे शामिल हैं? एक न्यायाधीश में किन नैतिक मूल्यों का होना आवश्यक है? सर्वोच्च न्यायालय द्वारा न्यायाधीशों के संबंध में जारी आचरण संबंधी गाइडलाइन की पर्याप्तता का मूल्यांकन कीजिये। (150 शब्द) 10

In recent years, it has been witnessed that morality in judiciary has declined. What are the moral issues involved in it? What are the moral value must be possessed by a judge. Evaluate the adequacy of guidelines issued by Supreme Court related to conduct of judges. (150 words) 10

हमारे संविधान में न्याय सुनिश्चित करने के लिये स्वतंत्र न्यायपालिका की स्थापना की गयी है। कहा जाता है- 'न्याय ~~व्यवस्था~~ प्रशासन लोकतंत्र के आधारभूत स्तम्भों में से एक है।'

परन्तु हाल के वर्षों में न्यायपालिका की नैतिकता में गिरावट के पक्ष उभरे हैं। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार, मौलिक सिद्धान्त का उपहासपूर्ण होना तथा अदालत की अवमानना का दावा देना, न्यायपालिका में उत्तरदायित्व का अभाव आदि ऐसे ही पक्ष हैं।

एक न्यायाधीश में कुछ आधारभूत मूल्यों की अपेक्षा की जाती है-

(i) एक न्यायाधीश सत्यनिष्ठ व ईमानदार होना चाहिए।

(ii) मामले की पीठता- कार्यवृत्त के आधार पर निर्णय के अतिरिक्त निर्णयों में वस्तुनिष्ठता (objectivity) हो।

(iii) निर्णयों में पर्याप्त पारदर्शिता (Transparency) भी होनी चाहिए।

(iv) कोई भी निर्णय सभी पक्षों को सुनने के बाद ही लिया जाये।

(v) किसी भी न्यायाधीश को अपने ही मामले में जज नहीं होना चाहिए। यह हितों का टकराव (conflict of interest) प्रदर्शित करेगा।

(vi) न्यायाधीश संविधान के मूल्यों के प्रति सम्मान रखता हो।

(vii) न्यायाधीश समाज के कमजोर वर्गों के प्रति निर्णयों में संवेदनशीलता दिखाये।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A2

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

सर्वोच्च न्यायालय ने न्यायपीठों के आचरण को सुनिश्चित करते हुये पर्याप्त मार्गदर्शन भी जारी किये हैं जैसे - न्यायपीठ को किसी मामले में अपने हितों (interests) का खुलासा करना होगा। अपनी संपत्ति की जानकारी उपलब्ध करानी होगी आदि।

इस दिशा में अभी और पर्याप्त कदम उठाये जाने की आवश्यकता है। हालांकि न्यायविद N. A. पालकीवाला के शब्दों में "किसी शासन प्रणाली की श्रेष्ठता जाँचने का सबसे अच्छा तरीका उसकी न्याय प्रणाली की कार्यशैली है, यदि न्याय का दीपक अंधेरे में डूब गया तो घटाटोप अंधेरा कितना घना होगा इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1½	1		—		✓
Grade		B	C				

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने विशिष्ट परिस्थितियों में 24 सप्ताह बाद भी गर्भपात कराने की अनुमति प्रदान की है। क्या ऐसी स्थिति में भ्रूण के अधिकारों का हनन हो सकता है? क्या माता के प्रजनन की स्वायत्तता का अधिकार भ्रूण के अधिकार से ऊपर है? नैतिक समस्याओं को शामिल करते हुए मूल्यांकन करें। (150 शब्द) 10

Recently Supreme Court allowed abortion even after 24 weeks of pregnancy under special circumstances. Do these conditions can abuse the rights of fetus? Does right of mother to produce is superior than rights of fetus? Evaluate while including moral problems. (150 words) 10

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गर्भपात की निर्धारित अवधि 20 सप्ताह को बढ़ाकर विशिष्ट मामलों में 24 सप्ताह करने का निर्णय ~~है~~ लिया गया। वास्तव में यह कई नैतिक मुद्दों को शामिल करता है—

(1) अजन्मे बच्चे के जीवन का अधिकार बनाम महिला का चुनाव का अधिकार (Right to choice)

(2) अजन्मे बच्चे के जीवन का अधिकार बनाम महिला का अपने शरीर पर अधिकार

(3) कई बार बच्चों में गंभीर घातक असमान्यताएँ या विकलांगता होती है तो क्या ~~हैं~~ को (एक महिला) ऐसे बच्चों को समाप्त करने का अधिकार नहीं है या कि महिला उस बच्चे को जीवन पर तड़पने व परेशान होने दे

(4) कई बार यौन हिंसा (रेप) की शिकार महिलाओं का गर्भ ठहर जाता है तथा ऐसी स्थिति में अगर 24 हफ्ते बाद बच्चे का गर्भपात का निर्णय ले तो यह नैतिक व संवैधानिक माना जाये जबकि यह उस महिला के साथ एक 'सामाजिक कलंक' की भावना को बढ़ावा देता है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

निश्चित रूप से इनमें पत्नी के अधिकार भी पर्याप्त महत्व रखते है परंतु आधुनिक समाज में एक महिला का अपने शरीर पर, अपने निर्णय के अधिकार पर पर्याप्त महत्व मिलना चाहिए।

दोनों के अधिकार समान है। जब विशिष्ट परिस्थिति से जिससे माता के जीवन को खतरा हो तभी उसके अधिकार सर्वोच्च होंगे अन्यथा नहीं।

(2)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1	1	—	—	—	—
Grade		C	C				

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. चिकित्सकीय नैतिकता से क्या तात्पर्य है? एक चिकित्सक में किन मूल्यों का होना आवश्यक है? चर्चा करें। (150 शब्द) 10

What do you mean by Medical Ethics? What virtues a medical practitioner should posses? Discuss. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान पर प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान पर कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks							
Grade							

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान पर प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - B/ SECTION - B

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

9. भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे अंतराल बाद क्रिकेट मैच खेला जाना है, जो कि कूटनीतिक दृष्टि से दोनों देशों के मध्य संबंध सुधारने के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण है। आपको हाल में भारतीय क्रिकेट टीम में चुना गया है। मैच से एक दिन पहले आप अपने टीम के सदस्यों के बीच मैच फिक्सिंग को लेकर चर्चा सुनते हैं। कुछ समय बाद आपकी टीम का कप्तान आपको 1 करोड़ का ऑफर देता है तथा ऑफर स्वीकार न करने पर आपको टीम से बाहर निकालने की धमकी देता है। आप लंबे समय की मेहनत के बाद योग्यता के आधार पर टीम में चुने गए हैं और आप इस मौके को किसी भी हाल में खोना नहीं चाहते। साथ ही, आपके परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर है। प्रथमतः आप चुप रहने का फैसला करते हैं किंतु आपका अंतःकरण इसको स्वीकार करने के लिये तैयार नहीं है। (250 शब्द) 20

Cricket is going to be played between India and Pakistan after a long time which is diplomatically extremely important. You have recently been selected in the Indian cricket team. Before the match you hear something about match fixing between your team members. After a while the captain of your team offers you 10 million and threatens to expel you from the team if you do not accept the offer. After working hard for long time you have been selected in the team on the basis of merit and you do not want lose this opportunity in any case. At the same time financial condition of your family is extremely fragile. Firstly you decide to keep quiet but your conscience is not ready to accept it. (250 words) 20

(a) आपके पास कौन-कौन से विकल्प हैं?

(a) What choices do you have?

उपर्युक्त परिस्थितियों में मेरे सामने हैं कि मैं -

① खेल नैतिकता (sports ethics) का पालन करूँ या अपनी परिस्थिति को देखते हुये समझौता कर लूँ ?

② अगर खेल नैतिकता का पालन करते हुये ऑफर अस्वीकार कर दूँ तो क्या मुझे वहीं पर चुप रह जाना चाहिए ?

③ अगर मुझे टीम से निकाल दिया गया तो फिर क्या मैं वापस आ पाऊँगा और इस स्थिति में मेरे परिवार का क्या होगा ?

④ अगर मैं चुप हूँ तो शिकायत करना चाहिए तो मुझे टीम कोच को सूचित करना चाहिए या मीडिया से संपर्क करना

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Ans: उपरोक्त परिस्थितियों में मेरे सामने निम्न विकल्प होंगे।—

(i) मैं चुपचाप ऑफर को स्वीकार कर लूँ।

(ii) मैं ऑफर को अस्वीकार कर दूँ।

(iii) मैं इस घटना की रिपोर्ट टीम कोच को करूँ।

(iv) मैं अन्य खिलाड़ियों से संपर्क करूँ व उनके कहे अनुसार काम करूँ।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks							
Grade							

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(b) विभिन्न विकल्पों के गुण-अवगुण बताते हुए उच्चतम विकल्प बताएँ।
(b) Suggest the best option while explaining the pros and cons of different options.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(i) चुपचाप ऑफर स्वीकार कर लेना ऐसा करने के
गुण – (a) मैं टीम में बना रह पाऊँगा
(b) मैं अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधार पाऊँगा
अवगुण (a) यह मेरे नैतिक सिद्धांतों के खिलाफ होगा।
(b) यह मेरे अंतर्मन के विरुद्ध है अतः मेरे अंदर हमेशा (Conscience) एक guilt की भावना रहेगी।
(c) साथ ही यह परिस्थितियों के आगे झुकना होगा जो मेरे अंदर साहस की कमी को दिखाएगा।

(ii) मैं अन्य खिलाड़ियों से संपर्क करूँ व उनके कहे अनुसार काम करूँ
गुण – (a) मुझे अन्य का अनुभव से अच्छा परामर्श मिल सकता है।
अवगुण (a) हो सकता है उनका परामर्श मेरे नैतिक सिद्धांतों से मेल न खाये अतः दुविधा की स्थिति बनी रहेगी।

(iii) मैं अपने 'टीम कोच' व अन्य खेल प्रशासकों से संपर्क कर उन्हें इस बात से अवगत कराऊँ –
गुण – इससे इस मामले को मैं उच्च स्तर पर ले जाकर पदोन्नति कर पाऊँगा साथ ही इससे टीम में मेरा स्थान भी बना रहेगा।
अवगुण – हो सकता है मेरी बातों पर आवश्यक ध्यान न दिया जाये साथ ही यह भी संभावना है की टीम कोच व अन्य लोग भी इस मैच फिक्सिंग में शामिल हों।

(iv) मैं ऑफर को अस्वीकार कर दूँ।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

गुण - यह मेरे सत्यनिष्ठ आचरण के अनुकूल है साथ ही मेरा अन्तर्मन भी उसके लिए गवाही देता है अतः कोई guilt भी नहीं रहेगा।

दुष्परिणाम - मैं टीम से निकाला जा सकता हूँ, साथ ही मेरी आर्थिक स्थिति और खराब होने की संभावना है।

परन्तु मैं विकल्प 1 का ही अनुसरण करते उसे ऑफर को स्वीकार करूँगा। गांधी जी कहते हैं - "एक साफ अन्तरात्मा सबसे बड़ा कवच है (A clear conscience is the greatest Armour)"

2) मैं अपने अन्तर्मन की सुनते हुये इस ऑफर को केवल स्वीकार ही नहीं करूँगा वरन् चर्चित साक्ष्य (evidence) इकट्ठा कर अपने वरिष्ठों को इस मुद्दे पर अवगत कराऊँगा और अगर वहाँ मेरी बात नहीं सुनी गयी तो मैं मीडिया का सहारा लेकर Whistle Blow करूँगा। यही बात मेरे टीम से निकाले जाने या मेरी आर्थिक स्थिति के खराब होने की, ले कहते हैं न कि - "साँच को आँच क्या" (सच्चे को उसके जीवन की जरूरत नहीं होती)।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	3	3	—	—	—	—
Grade		C	C				

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

10. आपको हाल ही में जयपुर (राजस्थान) का कमिश्नर नियुक्त किया गया है। नियुक्ति के बाद आपको लगातार वेश्यावृत्ति, चाइल्ड पोर्नोग्राफी और महिला एवं बच्चों की तस्करी की सूचना मिलती है। आपने इस पर कार्यवाही के लिये कई प्रयास किये किंतु कोई ठोस नतीजा प्राप्त करने में असफल रहे हैं। कुछ दिनों बाद आपको पता चलता है कि इसमें आपके विभाग के ही कुछ कर्मचारियों का सहयोग शामिल है, जिससे छापामारी से पहले ही इस कार्य में संलिप्त लोगों को जानकारी मिल जाती है। अंततः आप गुप्त रूप से छानबीन करने का फैसला लेते हैं। इसी दौरान आपको पता चलता है कि इन कार्यों में संलग्न मुख्य व्यक्तियों में आपका एक घनिष्ठ मित्र भी है, जो किसी समय आपके साथ सिविल सेवा की तैयारी करता था। इसके अलावा, कुछ नेताओं के शामिल होने का भी पता चला है। (250 शब्द) 20

Recently you have been appointed commissioner of Jaipur (Rajasthan). After the appointment you receive information about continuous prostitution, child pornography and women and child trafficking. You have made several attempts to take action on this but have failed to achieve any tangible results. After a few days you came to know that it is supported by some employees of your own department so the persons involved in this act already get informed about the raid. Eventually you decide to investigate secretly and find that among the main culprits your close friend is also involved in this act who at one time was preparing for civil services with you. Some politicians involvement also revealed in this. (250 words) 20

(a) इस संबंध में आपकी कार्रवाई क्या-क्या होगी?

(a) In this regard what will be your course of action?

इस घटना में कुछ नैतिक बिंदु दिखाई देते हैं -

(1) वेश्यावृत्ति, चाइल्ड पोर्नोग्राफी, महिला व बच्चों की तस्करी आदि का प्रचलन दिखाता है कि समाज में Care Ethics का घोर अभाव है।

इमैनुएल काण्ट के शब्दों में - "प्रत्येक व्यक्ति अपने आप में साध्य (ends) है, इसे किसी लक्ष्य को हल करने का साधन नहीं बनाया जाना चाहिए।"

(2) विभाग के कर्मचारियों का सहयोग यह दिखाता है कि प्रशासन में भी इस अनैतिक (immoral) व अवैधिक (illegal) गतिविधि के प्रति संवेदनहीनता है।

(3) यह मुख्यतः साधन व साध्य का द्वन्द्व है ही

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

पर मेरे सामने समस्या है कि मेरे करीबी के दूरे होने से क्या मैं सार्वजनिक हित में काम करूँ या व्यक्तिगत हित को प्राथमिकता दूँ।

उत्तर: उपरोक्त परिस्थितियों में मेरे सामने निम्न विकल्प हैं—

① मैं इस मामले पर आगे कोई कार्यवाही न करूँ।

② मैं अपना ट्रांसफर करी जैसा करा लूँ।

③ मैं इस मामले की एक वस्तुनिष्ठ (objective) रिपोर्ट बनाकर आगे कार्यवाही के लिए भेजि करूँ।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) कार्रवाई के विभिन्न विकल्पों के गुण-अवगुण पर चर्चा करें।
(b) Discuss the pros and cons of different options of action.

① मामले को पड़ा रहने देना / कोई कार्यवाही न करना

गुण – (i) इसमें मैं अपने व्यक्तिगत संबंधों की रक्षा कर पाऊँगा
(ii) इसमें चूँकि कई लोग शामिल हैं (राजनेता भी) अतः उनके क्रोधावेशपूर्ण रवैया से बच रह पाऊँगा।

अवगुण – (i) यह मेरे नैतिक सिद्धांतों के प्रतिकूल है कि किसी अनैतिक व अविधिक गतिविधि को कैसे जारी रहने दिया जा सकता है।

(ii) यह मेरी वस्तुनिष्ठता (objectivity) पर प्रश्नचिह्न लगाता है

(iii) यदि मैंने सार्वजनिक हित की जगह व्यक्तिगत हित को प्राथमिकता दी तो सिविल सेवा आचार-संहिता के प्रतिकूल है।

(ii) मैं अपना ट्रांसफर करी जैसा करा लूँ

गुण – (i) इससे मैं इस गतिविधि में कार्यवाही करने से भी बच जाऊँगा।
(ii) साथ ही हो सकता है कि मेरे बाद आने वाला इस घटना पर कार्यवाही करे।

अवगुण (i) यह अपने दायित्वों से भागना है। अरस्तू के शब्दों में –
(i) अपने दायित्वों से भागना कायरता है ऐसा कोई भी व्यक्ति कर सकता है। परन्तु समस्याओं से जूझना व इनके ऊपर विजय प्राप्त करना, यही गुण व्यक्ति को महान बनाता है।

(ii) यह मेरे समस्या से भागने का दृष्टिकोण दिखाता है। हो सकता है नयी पोस्टिंग की जगह भी वैसी ही कोई समस्या फिर मैं क्या करूँगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(iii) घटना की वस्तुनिष्ठ स्थिति बनाकर आगे कार्यवाही करना

गुण - (i) इससे समाज के कमजोर वर्गों महिलाओं, बच्चों की रक्षा हो पायेगी।
(ii) इससे दोषियों पर कार्यवाही भी संभव होगी जो आगे के लिए उदाहरण का काम करेगा।

दोष - (i) मेरे निजी संबंध खराब हो सकते हैं
(ii) मेरे कैरियर के विकास में बाधा आ सकती है व मेरा ट्रांसफर हो सकता है

अतः उपरोक्त परिस्थितियों में मैं विकल्प (iii) का चयन करूंगा हमारे पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम मानते थे "हमारे चारों ओर परिस्थितियाँ चाहे कितनी ही प्रतिकूल क्यों न हो अपनी उच्च सत्यनिष्ठा को बनाये रखना हर स्थिति में संभव होता है।"

इसके साथ ही मैं प्रशासन व जन समुदाय में महिला व बच्चों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के प्रयास करूँगा साथ ही सरकारी कार्यक्रमों का बेहतर लाभ पहुँचाकर महिलाओं व बच्चों की स्थिति में सुधार के भी प्रयास करूँगा।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	4	3	—	—	—	1
Grade		B	C				

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

11. आप एक सिविल सेवक हैं। आपको नदी जोड़ो परियोजना की संभावनाओं का पता लगाने के लिये जाँच समिति में एक सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। संभावनाओं के सर्वेक्षण के दौरान पता चलता है कि इससे न केवल एक मुख्यधारा से दूर विशाल जनजातीय समूह प्रभावित होगा, बल्कि साथ ही यह एक नेशनल पार्क घोषित क्षेत्र के बड़े भाग को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेगा। जाँच समिति को आप अपने विचारों से अवगत कराते हैं किंतु आपके विचारों को महत्त्व न देते हुए समिति के अन्य सदस्य आप पर उनके विचारों का समर्थन करने का दबाव डालते हैं। इसके अलावा वे आपको आर्थिक लाभ पहुँचाने की बात भी कहते हैं। जब आप जाँच की वास्तविकता का पता संबंधित मंत्री को बताने का फैसला करते हैं तो आपको पता चलता है कि यह मंत्री के इशारे पर ही हो रहा है क्योंकि इससे उन्हें अनुचित लाभ प्राप्त होने की संभावना है। (250 शब्द) 20

You are a civil servant. You have been appointed as a member in the inquiry committee in order to ascertain the possibility of river linking project. During the survey of possibilities it is found that this project will not only affect the large tribal groups which are away from mainstream but also adversely affect the area that has been declared as a national park. You make the enquiry committee aware of your opinion but without giving importance to your opinion, other members of the committee pressurize you to support their views. Apart from this they also offer you financial benefits. When you decide to tell the reality of the investigation to the concerned minister then you came to know that, it is happening on the support of that minister because, this is likely to give him an unfair advantage. (250 words) 20

(a) इसमें कौन-कौन से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?

(a) What moral issues are included in this?

उपरोक्त केस स्टडी में निम्न नैतिक मुद्दे शामिल हैं -

(i) विकास बनाम पर्यावरण का मुद्दा

(ii) विकास बनाम सामाजिक न्याय का मुद्दा (इस परियोजना से विकास तो होगा पर जनजातीय समुदाय जो पहले से ही गरीब स्थिति में है उनका पिछड़ापन और बढ़ेगा।)

(iii) ईमानदारी व सत्यनिष्ठा बनाम आर्थिक लाभ

(iv) साख का मुद्दा (Courage)

(v) जिम्मेदारी तय करने का मुद्दा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

इस संदर्भ में मेरे समक्ष तीन विकल्प होंगे –

(I) मैं अन्य सदस्यों की तरह ही इस परियोजना का समर्थन करूँ।

(II) मैं परियोजना का विरोध जताते हुये इस जाँच की वास्तविकता को मीडिया के समक्ष प्रस्तुत करूँ (चूंकि ज्ञानपुर का internal mechanism खत्म हो चुका है क्योंकि मंत्री जी भी मृत मुँह पर बाघों का समर्थन कर रहे हैं अतः external mechanism का सहारा लेते हुये website blow करना)

विकल्प (I) नहीं चुनना है

	Introduction	Coatext	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	2	2	—			✓
Grade		B	B				

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(b) आपकी कार्यवाही क्या होगी और क्यों?

(b) What will be your course of action and why?

विकल्प (I) परियोजना का समर्थन करना

गुण – (I) उसमें बाघों का विरोध मुझे नहीं करना होगा।

(II) भाग्य ही मुझे कुछ क्रोनिक लाभ भी दे सकेगा।

अवगुण – (I) यह मेरी अन्तरात्मा के विरुद्ध है।

(II) यह मेरे अन्तर्मन के विपरीत निर्णय है जो मेरे अन्दर आत्म पश्चाताप की भावना पैदा करता है।

(III) यह सामाजिक न्याय के संवैधानिक सिद्धान्त के विरुद्ध है।

(IV) यह पर्यावरण के ऊपर विनाश को महत्व देता है। जबकि हमारे राष्ट्रपिता गांधीजी ने चेतावनी दी थी – "प्रकृति सभी की आवश्यकताओं को पूरा कर सकती है पर किसी भी व्यक्ति के लालच को नहीं।"

कार्यवाही की प्रक्रिया बतानी है

विकल्प (II) परियोजना की जाँच रिपोर्ट को सार्वजनिक करना

यही सबसे अच्छा विकल्प होगा। क्योंकि इससे इस परियोजना को रोकने के लिए जनदबाव मजबूत होगा साथ ही समाज के कमजोर वर्गों में शामिल जनजातीय समुदाय के हितों की भी रक्षा की जा सकेगी। साथ ही पर्यावरण पर भी दीर्घकाल प्रभाव पड़ने से रोका जा सकेगा।

महात्मा गांधी कहते थे – "आत्मा सबके भीतर है, कोई भी चाहे इसकी आवाज सुन सकता है।" अतः मैं अपने अन्तरात्मा की आवाज सुनते हुये यही

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

पढ़ाई का साथ दूँगा व अपने सार्वजनिक जिम्मेदारी व संविधान में निहित समानता के सिद्धान्त की रक्षा करूँगा। रही बात मेरे उपर किसी कार्यवाही के होने की तो मैं एन.पी.जे. अब्दुल कलाम के इस कथन से पूर्ण सहमत हूँ "यदि आप अपनी ड्यूटी को Schedule करोगे तो आपको किसी चीज़ को सैलयूट करने की जरूरत नहीं होगी और यदि आप अपनी ड्यूटी को Schedule करोगे तो आपको सबको सैलयूट करना होगा।"

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks		0					
Grade							

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

12. आप घर से दूर शहर में रहकर वकालत की पढ़ाई कर रहे हैं। आप कभी-कभार ही घर जा पाते हैं। आपके पिता की एक कपड़े की फैक्टरी है। एक बार जब आप घर जाते हैं, तो आपके पिता आपको फैक्टरी में लेकर जाते हैं। वहाँ आप देखते हैं कि बहुत से नाबालिग बच्चों को काम पर लगाया गया है। जब आप अपने पिता को इससे जुड़े मुद्दे को बताते हैं तो आपके पिता कहते हैं कि यदि वह इनको काम पर नहीं रखेंगे तो बहुत कम लाभ प्राप्त होगा, जिससे परिवार और तुम्हारी शिक्षा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसके अलावा, स्थानीय विधायक का सहयोग भी प्राप्त है, इसलिये किसी कानूनी कार्यवाही का डर भी नहीं है। जब आप उन बच्चों से बात करते हैं तो आपको पता चलता है कि वे बच्चे बहुत गरीब परिवार से हैं और यह उनकी मजबूरी है। (250 शब्द) 20

You are studying law while living in a city away from home. You can go home only occasionally. Your father is the owner of an clothing factory. Once you go your home your father takes you to the factory. In the factory you see that many minor children have been hired. When you tell your father about the issue related to it your father says that if he does not keep them at work then he will get very little profit which can have a negative impact on family and your education. Beside this local MLA is also favourable so there is no fear of legal action. When you talk to those children you find that they belong to very poor families and it is there compulsion to do this. (250 words) 20

(a) ऐसी स्थिति में आपकी क्या कार्यवाहियाँ होंगी?

(a) What will be your course of action in such situations?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें चौदह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **FOURTEEN** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91)-8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation